Fh – यीशु ने एक मृत लड़की को उठाया और एक बीमार महिला को ठीक
किया मत्ती ९:१८-२६; मरकुस ५:२१-४३; लूका ८:४०-५६ | 1

– Save This Page as a PDF–

यीशु ने एक मृत लड़की को उठाया और एक बीमार महिला को ठीक किया

मत्ती ९:१८-२६; मरकुस ५:२१-४३; लूका ८:४०-५६

खोदाई: इसमें आश्चर्य की बात क्यों है कि याईर ने येशुआ से संपर्क किया और उससे अपनी बेटी को ठीक करने के लिए विनती की? इस महिला के लिए मसीह के पास आना किस कारण कठिन हो गया? आपको क्या लगता है जब येशुआ उस स्त्री को ठीक करने के लिए रुका तो याईर को कैसा महसूस हुआ? आपको क्या लगता है कि यीशु उसे इंगित करने के लिए क्यों रुके? याईर और स्त्री की कहानी विश्वास के बारे में क्या प्रकट करती है?

चिंतन: आप किन तरीकों से खून बह रही महिला की पहचान कर सकते हैं? उस समय के बारे में सोचें जब आपको विश्वास के साथ आगे बढ़ना कठिन लगता था। यह आपके लिए कठिन क्यों था? आपके जीवन के किन क्षेत्रों में आपको मसीह की शक्ति का अधिक अनुभव करने की आवश्यकता है? यह कहानी आपको प्रभु की करुणा के बारे में क्या सिखाती है? यीशु ने यह कहकर याईर को सांत्वना दी: डरो मत; बस विश्वास करें। ये शब्द आपके जीवन पर कैसे लागू होते हैं? आपके जीवन में क्या डर हैं? तुम्हें किससे डर लगता है? आप किससे डरते हैं?

गदरेन्स के क्षेत्र में कुछ समय तक सेवा करने के बाद, जहां उन्होंने दो दुष्टात्माओं से ग्रस्त लोगों को ठीक किया, यीशु नाव से झील को पार करके गलील में वापस आ गए (और यहूदी क्षेत्र में लौट आए), उनके चारों ओर एक बड़ी भीड़ इकट्ठा हो गई (मरकुस ५:२१; ल्यूक ८:४०ए)। वे उसे देखने, सुनने और उसके द्वारा स्पर्श किये जाने की अत्यंत लालसा रखते थे। उनमें एक हताश पिता भी था जिसकी बेटी बहुत बीमार थी। उसे आशा थी कि मसीहा उसे ठीक कर सकता है। लेकिन साथ ही, भीड़ के बीच एक भयानक रहस्य वाली एक महिला भी छिपी हुई थी। उसे उम्मीद थी कि वह गुमनाम रूप से ठीक हो जाएगी। उनमें से प्रत्येक ने विश्वास का एक कदम उठाया।

जब प्रभु युहन्ना के शिष्यों से उपवास के बारे में बात कर रहे थे (मत्ती ९:१४-१७), कफरनहूम में याईर नामक आराधनालय का नेता, जिसका अर्थ है ईश्वर प्रबुद्ध करता है, आया और मसीह के चरणों में झुक गया (मरकुस ५:२२; ल्यूक ८:४१ए)। यह समुदाय के सबसे महत्वपूर्ण और सबसे सम्मानित व्यक्तियों में से एक था। परन्तु जब उसकी बेटी बीमार पड़ी और उसने सुना कि यीशु निकट है, तो उसे कुछ घटित हुआ।

उनके पूर्वाग्रह, उनकी गरिमा और उनका गौरव सब भुला दिया गया। आराधनालय के नेता

Fh – यीशु ने एक मृत लड़की को उठाया और एक बीमार महिला को ठीक
किया मत्ती ९:१८-२६; मरकुस ५:२१-४३; लूका ८:४०-५६ | 2

के रूप में, याईर एक फरीसी रहा होगा, फिर भी जब उसने येशुआ का सामना किया तो उसने निकोडेमस की तरह रात में जाकर, या एक सम्मिलित और परदे वाले धार्मिक प्रश्न के साथ अपने असली मकसद और ज़रूरत को छिपाकर खुद की रक्षा नहीं की। नहीं, वह आया और चमत्कार करने वाले रब्बी के चरणों में झुक गया। यह महान श्रद्धांजलि और श्रद्धा का कार्य था – और ग्रीक शब्द की व्याख्या की गई झुकना (प्रोकुनेओ, जिसका अर्थ है चेहरे को चूमना) को सबसे अधिक बार पूजा जाता है (मत्ती ४:१०; युहन्ना ४:२१-२४; प्रथम कुरिन्थियों १४:२५; प्रकाशितवाक्य ४:१०). इसमें कोई संदेह नहीं है कि उसने यीशु को एक बाहरी व्यक्ति, एक खतरनाक विधर्मी और एक ऐसे व्यक्ति के रूप में माना होगा जिसके आराधनालय के दरवाजे बंद थे। आख़िरकार, क्या महान महासभा ने पहले ही घोषित नहीं कर दिया था कि नाज़रीन पर बील्ज़ेबब का कब्ज़ा है? लेकिन याईर इतना बड़ा आदमी था कि उसने ज़रूरत की घड़ी में अपने पूर्वाग्रहों को त्याग दिया। सीरियाई प्रधान मंत्री, नामान की तरह, जिसे अपना कुष्ठ रोग (२ राजा ५) खोने के लिए अपना गौरव निगलना पड़ा, याईर को आकर गैलीलियन रब्बी से मदद की भीख मांगनी पड़ी, इसके लिए उसे जानबूझकर अपमान का प्रयास करना पड़ा होगा।

याईर ने यीशु से अपने घर आने के लिए बहुत विनती की। हालाँकि उन्हें नहीं पता था कि उनकी बेटी की अभी-अभी मृत्यु हुई है, उन्होंने अद्भुत विश्वास व्यक्त किया कि अगर येशुआ हस्तक्षेप करेगा तो उसे पुनर्जीवित किया जा सकता है। उसने विनती की: मेरी इकलौती बेटी मर रही है। कृपया आएं और उस पर अपना हाथ रखें ताकि वह चंगी हो जाए और जीवित रहे। यह मेरी एकमात्र कन्या है। उस पर दया करके, मसीहा खड़ा हुआ और उसके साथ चला गया, और उसके प्रेरितों ने भी ऐसा ही किया (मत्ती ९:१८-१९; मरकुस ५:२३-२४ए; लूका ८:४१बी-४२ए)।

यदि आप इस वर्ष अपनी शादी की सालगिरह अकेले मनाएंगे, तो परमेश्वर आपसे बात करेंगे। यदि आपका बच्चा किंडरगार्टन में जाने से पहले स्वर्ग पहुंच गया है, तो वह आपसे बात करता है। . . यदि आपके सपने ताबूत उतारते ही दफन हो गए, तो परमेश्वर आपसे बात करते हैं। वह हम सभी से बात करता है जो खुली कब्र के पास नरम मिट्टी में खड़े हैं या खड़े होंगे। और वह हमें यह विश्वासपूर्ण वचन देता है, “मैं चाहता हूं कि तुम जान लो कि मरने वाले आस्तिक के साथ क्या होता है, ताकि जब ऐसा हो, तो तुम उन लोगों की तरह दुःख से न भर जाओ जिनके पास कोई आशा नहीं है। चूँकि हम मानते हैं कि यीशु मर गया और फिर से जीवित हो गया, हम यह भी विश्वास कर सकते हैं कि जब यीशु वापस आएगा, तो परमेश्वर उन सभी विश्वासियों को अपने साथ वापस लाएगा जो मर गए हैं (प्रथम थिस्सलुनीकियों ४:१३-१४ टीएलबी)।

जैसे ही यीशु अपने रास्ते पर था, उसे एक और सम्मोहक आवश्यकता ने रोक दिया। एक बड़ी भीड़ ने प्रभु का अनुसरण किया और उसे लगभग कुचल डाला। तभी वहाँ एक स्त्री थी जिसे बारह वर्षों से रक्तस्राव हो रहा था, परन्तु कोई उसे ठीक नहीं कर सका (मत्ती ९:२०ए; मार्क ५:२४बी-२५; ल्यूक ८:४२बी-४३)। जब तक याईर की बेटी जीवित थी तब तक उसे खून की बीमारी थी। चूँकि वह बारह वर्षों तक रक्तस्राव के अधीन रही थी, वह

Fh – यीशु ने एक मृत लड़की को उठाया और एक बीमार महिला को ठीक
किया मत्ती ९:१८-२६; मरकुस ५:२१-४३; लूका ८:४०-५६ | 3

बारह वर्षों तक औपचारिक रूप से अशुद्ध रही थी (लैव्यव्यवस्था १५:१९-३०)। दूसरे शब्दों में, वह अछूत थी! उनके जीवन का कोई भी भाग अप्रभावित नहीं रहा।

यौन रूप से। . . वह अपने पति को छू नहीं सकती थी.

मातृ रूप से। . . वह बच्चों को जन्म नहीं दे सकती थी।

घरेलू तौर पर. . . वह जो कुछ भी छूती थी वह अशुद्ध माना जाता था। न बर्तन धोना, न फर्श साफ करना, न दूसरों के लिए खाना बनाना।

आध्यात्मिक रूप से. . . उसे मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं थी।

वह शारीरिक रूप से थक चुकी थी और सामाजिक रूप से बहिष्कृत थी।

वह एक कुचली हुई नरकट थी। वह प्रतिदिन ऐसे शरीर में जागती थी जिसे कोई नहीं चाहता था। वह अपनी आखिरी प्रार्थना में थी। और जिस दिन हमारा उससे सामना होता है. . . वह यह प्रार्थना करने वाली है।

कई डॉक्टरों की देखरेख में उसे बहुत कष्ट सहना पड़ा और उसके पास जो कुछ था वह सब खर्च हो गया, फिर भी बेहतर होने के बजाय उसकी हालत और खराब हो गई (मरकुस ५:२६)। तल्मूड में किसी ऐसे व्यक्ति के उपचार के बारे में एक बयान है जो रक्तस्राव के अधीन था। इससे आपको अंदाज़ा हो जाएगा कि इसका क्या मतलब है जब बाइबल कहती है कि कई डॉक्टरों की देखरेख में उसे बहुत कष्ट सहना पड़ा। रब्बी योचानन ने कहा: अलेक्जेंड्रिया का गोंद, ज़ुज़ी का वजन, और एक जैतून, एक ज़ूज़ी का वजन, क्रोकस हॉर्टेंसिस, एक ज़ूज़ी का वजन ले लो, इन्हें एक साथ कुचल दिया जाए और शराब में उस महिला को दिया जाए रक्तस्राव के अधीन. परन्तु यदि इससे उसे लाभ न हो, तो फारसी प्याज तीन गुनी लेकर दाखमधु में उबालें, और उसे पिलाएं, और कहें, अपकी भेड़- बकरियों में से उठो। लेकिन अगर इससे भी काम न बने तो उसे चौराहे पर बैठा दो. उसे हाथ में पकड़ने के लिए शराब का एक कप दें। कोई उसके पीछे आकर उसे डराए, और कहे, अपने झुण्ड में से उठो। और यदि उस से कुछ लाभ न हो, तो एक हाथ भर केवड़े और एक हाथ भर क्रोकस ले, और इन्हें दाखमधु में उबालकर उसे पिला दे, और यह भी कह, कि अपकी भेड़-बकरियोंमें से उठ। यदि इससे मदद नहीं मिलती है, तो उसे सात गड्ढे खोदने दें और कुछ ऐसे टुकड़ों को जला दें जो अभी तीन साल पुराने नहीं हैं। तब वह अपने हाथ में दाखमधु का प्याला ले, और वे उसे उस खाई से दूर ले जाएं। और उस पर बैठ जाओ, और उस से कहो, अपकी भेड़-बकरियोंमें से उठ। फिर उसे एक के बाद एक इस खाई से उस खाई तक ले जाओ, फिर कभी उससे मत कहना, उठो अपनी भेड़-बकरियों में से।

इसलिए बारह साल तक इन सभी प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद उसने डॉक्टरों से उम्मीद छोड़ दी थी। जब तक वह यीशु के पास पहुँचती है, लोग उसे घेर लेते हैं। वह समुदाय के

Fh – यीशु ने एक मृत लड़की को उठाया और एक बीमार महिला को ठीक
किया मत्ती ९:१८-२६; मरकुस ५:२१-४३; लूका ८:४०-५६ | 4

सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति याईर की बेटी की मदद करने के रास्ते पर है। क्या संभावना है कि वह आराधनालय के नेता के साथ उसके जैसे लोगों की मदद करने के लिए एक जरूरी मिशन को बाधित करेगा? बहुत कुछ। लेकिन क्या संभावना है कि अगर वह मौका नहीं लेगी तो वह जीवित रहेगी? अभी भी कम है. इसलिए वह एक मौका लेती है।

जोखिम भरा निर्णय. क्योंकि लोग यीशु को घेरे हुए हैं, उसे छूने के लिए उसे दूसरों को अपवित्र करना होगा। लेकिन उसके पास क्या विकल्प है? उसके पास न पैसा है, न प्रभाव, न दोस्त और न ही कोई समाधान। उसे उम्मीद थी कि वह जवाब देगा, लेकिन वह नहीं जानती थी कि वह जवाब देगा या नहीं। वह बस इतना जानती थी कि वह अच्छा था। यह विश्वास है.



आस्था एक विश्वास नहीं है कि ईश्वर वही करेगा
जो आप चाहते हैं। आस्था एक विश्वास है कि ईश्वर वही करेगा जो सही है। उपचार में उसकी भूमिका बहुत छोटी थी। उसने बस भीड़ के बीच अपना हाथ बढ़ाया।748 उसने सोचा, “अगर मैं सिर्फ उसके कपड़े छू लूं, तो मैं ठीक हो जाऊंगी।” विचार क्रिया अपूर्ण है। वह मन ही मन सोचती रही। इसलिए इससे पहले कि यीशु को प्रतिक्रिया करने का मौका मिलता, वह भीड़ में उसके पीछे आई और उसके वस्त्र के किनारे पर लटकन, या त्ज़ित्ज़िट को छुआ (मत्ती ९:२१; मार्क ५:२७-२८)। वह रक्तस्राव के कारण धार्मिक अशुद्धता की स्थिति में थी। यह तथ्य कि वह पीछे से उसके पास आई थी, हमें बताता है कि वह उस अजीब स्थिति के प्रति संवेदनशील थी जो एक रब्बी के रूप में येशुआ के लिए हो सकती थी। उस समय यह आमतौर पर समझा जाता था कि किसी भी महिला को रब्बी से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। यह निस्संदेह उसके रक्तस्राव के कारण उसकी धार्मिक अशुद्धता से बढ़ गया था (लैव्यव्यवस्था १५:२५-२७)।

वह विवरण जो उसने उनके परिधान के सबसे पवित्र भाग, उनके वस्त्र के किनारे पर त्ज़ित्ज़िट को छुआ, कई कारणों से बहुत महत्वपूर्ण है। सबसे पहले, यह हमें बताता है कि यद्यपि यीशु ने मौखिक कानून के कुछ खतरों के बारे में बात की थी (Ei– मौखिक ब्यबस्था देखें), उन्होंने स्वयं टोरा का पालन किया और अपने वस्त्र के किनारे पर त्ज़िट्ज़िट पहना था। यहोवा ने अपने सेवक मूसा से कहा, इस्राएलियों से कह, “आने वाली पीढ़ियों के लिये तुम अपने वस्त्रों के कोनों पर फुंदन बनाते रहना, और हर एक फुंदनी पर नीले रंग की डोरी लगाना। तू यहोवा की सब आज्ञाओं को स्मरण रखेगा,

Fh – यीशु ने एक मृत लड़की को उठाया और एक बीमार महिला को ठीक
किया मत्ती ९:१८-२६; मरकुस ५:२१-४३; लूका ८:४०-५६ | 5

कि तू उनका पालन करे, और अपने मन और आंखों की अभिलाषाओं के पीछे भागकर व्यभिचार न करे। तब तू मेरी सब आज्ञाओं का पालन करना स्मरण रखेगा, और अपने परमेश्वर के प्रति समर्पित रहेगा। मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूं, जो तुम्हें मिस्र से निकाल लाया हूं कि तुम्हारा परमेश्वर ठहरूं। मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूं” (गिनती १५:३७-३९)। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह अपने समय के पारंपरिक यहूदी की तरह दिखते थे। दूसरा, यह तथ्य कि यह महिला मसीहा के बाहरी वस्त्र को छूने के लिए आगे बढ़ी, उसके अपने विश्वास को दर्शाता है। लेकिन इससे भी अधिक, विशेष रूप से उनके तजिटिट को छूकर, वह मूल रूप से यह कह रही थी कि यह परमेश्वर का वचन होगा (जो लटकन दर्शाता है) कि उसे उपचार प्राप्त हुआ होगा। तीसरा, उसने लटकन को छुआ था, न कि स्वयं यीशु को क्योंकि नीचे टोरा वह अशुद्ध थी. यदि वह उसे छूती, तो उसे अशुद्ध कर देती।

जब हम कुछ करते हैं तो उपचार शुरू होता है। जब हम पहुंचते हैं तो उपचार शुरू हो जाता है। जब हम विश्वास के साथ ईश्वर की ओर एक कदम बढ़ाते हैं तो उपचार शुरू हो जाता है। उसके लटकन को छूने के तुरंत बाद, उसका खून बहना बंद हो गया और उसने अपने शरीर में महसूस किया कि वह अपनी पीड़ा से मुक्त हो गई है (मत्ती ९:२०बी; मार्क ५:२९; ल्यूक ८:४४)। आम तौर पर अशुद्धियाँ शुद्ध को अशुद्ध करती हैं (देखें हाग्गै २:११-१३, तलमुंड, ताहारोट भी देखें)। लेकिन इस मामले में उलटा हुआ; येशुआ हा- मेशियाच और उनके त्ज़िज़ियोट की पवित्रता बरकरार रही, जबकि महिला की अशुद्धता तुरंत दूर हो गई।

मुझे किसी चीज़ के बारे में बिल्कुल स्पष्ट होने दीजिए। यहोवा आज भी ठीक हो जाता है। लेकिन इसकी कोई गारंटी नहीं है. ईश्वर के विचार और तरीके हमारे विचार और तरीके नहीं हैं। कभी-कभी आपको दुनिया पर पूरा भरोसा हो सकता है, लेकिन आप ठीक नहीं होते। ऐसा नहीं है कि आपमें विश्वास की कमी है, यह केवल इतना है कि परमेश्वर ने, अपने सही कारणों से, आपको ठीक करने का विकल्प नहीं चुना है। और आप इसका पता नहीं लगा पाएंगे. यह कोई तार्किक बात नहीं है. रब्बी शाऊल ने तीन बार प्रार्थना की कि उसके शरीर का काँटा निकाल दिया जाए और यहोवा ने इसे उसके पास छोड़ने का फैसला किया (दूसरा कुरिन्थियों १२:७-९)। आप सोचेंगे कि यदि ईश्वर किसी को ठीक करेगा तो वह वही होगा। लेकिन कोई नहीं। हम सभी को अपनी इच्छा को धार्मिकता के पुत्र के सामने झुकाना चाहिए।

यीशु को तुरंत एहसास हुआ कि उसमें से शक्ति निकल गयी है। वह भीड़ में पीछे मुड़ा और पूछा: मेरे कपड़े किसने छूए? यीशु जानता था कि उसे इस प्रकार छुआ गया था, और वह जानता था कि उसे किसने छुआ था। प्रश्न का उद्देश्य उसके प्रेरितों का ध्यान उस पर विश्वास पैदा करने के लिए आकर्षित करना था। उनके प्रेरित भीड़ के प्रति उनकी संवेदनशीलता से आश्चर्यचकित थे, “आपका क्या मतलब है: मेरे कपड़े किसने छूए? एक बड़ी भीड़ आपको लगभग कुचल रही है (मरकुस ५:२४बी, ३०-३१; ल्यूक ८:४२बी और ४५)!

Fh – यीशु ने एक मृत लड़की को उठाया और एक बीमार महिला को ठीक
किया मत्ती ९:१८-२६; मरकुस ५:२१-४३; लूका ८:४०-५६ | 6

उसने कहा: किसी ने मुझे छुआ; मैं जानता हूं कि मुझमें से शक्ति चली गई है। यीशु इधर-उधर देखता रहा कि यह किसने किया है, परन्तु उन सब ने इन्कार किया, तब उस ने उसे देखा। तब यहूदी महिला ने उसकी खोजी आँखों का जवाब दिया। यह देखकर कि उस पर किसी का ध्यान न जाय, वह भय से काँपती हुई आयी और उनके चरणों पर गिर पड़ी। सभी लोगों की उपस्थिति में, उसने बताया कि उसने उसे क्यों छुआ था और कैसे वह तुरंत ठीक हो गई थी, वस्तुतः, क्या किया गया था। एक बार फिर क्रिया पूर्ण काल में है, यह दर्शाता है कि यह एक पूर्ण और स्थायी इलाज था (मरकुस ५:३२-३३; ल्यूक ८:४५ए-४७)। वह सब आगे जो होने वाला था उसकी तैयारी में था।

तब यीशु ने उसके धर्मशास्त्र को सुधारा। वह मुड़ा और उससे कहा: बेटी. पहली बार उसे उनकी लुभावनी सहानुभूति की झलक मिली, जो पहले ही शब्द में बहुत ही नाजुक ढंग से व्यक्त की गई थी। उन्होंने कहा: थुगेटर, जिसका अर्थ है बेटी, एक परिपक्व महिला के लिए, शायद ज्यादा नहीं, अगर खुद से छोटी भी हो। हमारे प्रभु ने उससे इस प्रकार बात की जैसे एक पुरुष किसी स्त्री से नहीं, परन्तु एक पिता अपने बच्चे से इस प्रकार बात करता है। हिम्मत रखो, तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें ठीक किया है। जिस क्रिया का अनुवाद चंगा किया गया है वह वास्तव में सोज़ो है, जिसका अर्थ है बचाना, और कभी-कभी इसका उपयोग शरीर के साथ-साथ आत्मा को ठीक करने के लिए भी किया जाता है। यह पूर्ण काल में है, जो उसे स्थायी इलाज का आश्वासन देता है।

शांति से जाओ और अपने कष्टों से मुक्त हो जाओ। और वह स्त्री उसे छूते ही चंगी हो गई (मत्तीयाहू ९:२२; मरकुस ५:३४; लूका ८:४८)। लेकिन यह काम नहीं था, या उसे छूना नहीं था, जिसने उसे ठीक किया। यह उसका विश्वास था. विश्वास के बिना वह वह सब कुछ कर सकती थी जो वह करना चाहती थी और कुछ भी नहीं होता। शक्ति गुरु से आती है, उनके कपड़ों से नहीं। साधन उसका विश्वास था, उसका स्पर्श नहीं।

हो सकता है कि आपके पास केवल एक पागलपन भरी आशा और उच्च आशा हो। आपके पास देने के लिए कुछ भी नहीं है. लेकिन तुम्हें दर्द हो रहा है. और आपको परमेश्वर को केवल अपनी चोट ही अर्पित करनी है। शायद इसी ने तुम्हें उसके पास आने से रोका है। ओह, आपने उसकी दिशा में एक या दो पड़ाव लिए हैं लेकिन फिर आपने उसके आसपास अन्य लोगों को देखा। वे इतने साफ-सुथरे, इतने साफ-सुथरे, इतने सुव्यवस्थित और अपने विश्वास में फिट लग रहे थे। और जब आपने उन्हें देखा, तो उन्होंने उसके प्रति आपके दृष्टिकोण को अवरुद्ध कर दिया। तो आप पीछे हट गये.

यदि यह आपका वर्णन करता है, तो उस व्यक्ति को ध्यान से देखें जिसकी यीशु ने विश्वास रखने के लिए सराहना की थी। यह धनवान दाता नहीं था। यह वफादार अनुयायी नहीं था. यह प्रशंसित शिक्षक नहीं था. यह शर्म से त्रस्त, दरिद्र बहिष्कृत – एक अपवित्र महिला थी जिसका बारह वर्षों से रक्तस्राव हो रहा था – जिसने अपनी आशा को पकड़ रखा था कि वह ऐसा कर सकता था और उसकी आशा थी कि वह ऐसा करेगा। वैसे, यह आस्था की बुरी परिभाषा नहीं है। एक दृढ़ विश्वास कि वह कर सकता है और एक आशा कि वह

Fh – यीशु ने एक मृत लड़की को उठाया और एक बीमार महिला को ठीक
किया मत्ती ९:१८-२६; मरकुस ५:२१-४३; लूका ८:४०-५६ | 7

करेगा।

ईश्वर की व्यवस्था के तहत, याईर की छोटी लड़की के मरने में काफी देर हो गई थी। इसके अलावा, कुछ संदेशवाहक सबसे उपयुक्त समय पर आए, जिससे यहूदी महिला से ध्यान हट गया। यीशु अभी बोल ही रहा था, कि आराधनालय के सरदार याईर के घर से कुछ लोग आए, और उस से कहने लगे, “तेरी बेटी मर गई। तुम्हें अब रब्बी को परेशान करने की ज़रूरत नहीं है। महिला की चंगाई के दौरान याईर शायद प्रभु यीशु के करीब रहा, और जब उसका दिल उसके संकट में उसके पास आया, और उसकी चंगाई से खुश हुआ, फिर भी जब उसे पता चला कि उसकी छोटी लड़की मर गई है तो उसका दिल टूट गया। उन्होंने जो कुछ कहा, उसे सुनकर यीशु ने याईर से कहा, मत डर; बस विश्वास करो और वह ठीक हो जाएगी (मरकुस ५:३५-३६; लूका ८:४९-५०)। महासभा द्वारा ईसा मसीह की आधिकारिक अस्वीकृति के बाद (देखे Eh– यीशु को महासभा द्वारा आधिकारिक तौर पर अस्वीकार कर दिया गया), यीशु ने अब जनता के लिए चमत्कार नहीं किए।

उनके चमत्कार उनके प्रेरितों के प्रशिक्षण के लिए थे। इसलिए, जब वह याईर के घर पहुंचा, तो उसने पतरस, यूहन्ना और याकूब को छोड़कर किसी को भी अपने साथ जाने नहीं दिया (मत्तीयाहु ९:२३ए; मरकुस ५:३७; लूका ८:५१)।

यीशु ने बाँसुरी (या रीड पाइप) बजानेवालों और शोर मचाती भीड़ को देखा। इस बीच, सभी लोग उसके लिए रो रहे थे और विलाप कर रहे थे (मत्ती ९:२३बी; मार्क ५:३८; ल्यूक ८:५२ए)। यहूदी शोक के मौखिक कानूनों में शोक संतप्त परिवार की सहायता के लिए शोक मनाने वालों की आवश्यकता शामिल है। विशेष रूप से, इसमें कहा गया है कि “इज़राइल के सबसे गरीब लोगों को भी ऐसे मामलों में कम से कम दो बांसुरी और एक रोती हुई महिला को काम पर रखना चाहिए” (ट्रैक्टेट केटुवोट ४:४)। शिव की तीव्र शोक अवधि (“सात” के लिए हिब्रू) का प्रतीक है दफनाने के तुरंत बाद के कुछ दिन, जो शुरू नहीं हुआ था क्योंकि अंतिम संस्कार अभी तक हुआ भी नहीं था।

उस भावनात्मक रूप से आवेशित क्षण में, येशुआ ने एक चौंकाने वाली घोषणा की। वह अंदर गया और उनसे कहा: यह हंगामा क्यों है? रोना बंद करो. बच्चा मरा नहीं बल्कि सो रहा है. बाइबल आत्मा को सोना नहीं सिखाती। केवल विश्वासी ही “सोते” हैं क्योंकि वे स्वर्ग में जागेंगे। यहाँ, प्रभु का तात्पर्य यह था कि छोटी लड़की मरी हुई नहीं थी; इसलिए, उन्होंने मृत्यु को सोने के समान बताया। परन्तु भीड़ उस पर हँसी क्योंकि उन्होंने सोचा कि वह मर गई है (मत्ती ९:२४; मरकुस ५:३९-४०ए; लूका ८:५२)। हँसने की क्रिया अपूर्ण है, वे बार-बार हँसते रहे और उसका उपहास करते रहे।

Fh – यीशु ने एक मृत लड़की को उठाया और एक बीमार महिला को ठीक
किया मत्ती ९:१८-२६; मरकुस ५:२१-४३; लूका ८:४०-५६ | 8



अविश्वसनीय भीड़ को बाहर खदेड़ने के बाद, वह
बच्चे के पिता, माँ और अपने साथ आए शिष्यों को ले गया, और जहाँ बच्चा था, वहाँ गया। प्रेरितों के लिए, उद्देश्य मसीहा में विश्वास का पाठ सीखना था, और माता- पिता ने सीखा कि वह विश्वास के आधार पर व्यक्तिगत आवश्यकता के जवाब में चमत्कार करेगा। लेकिन उन्होंने उसका हाथ पकड़ लिया (स्पष्ट रूप से किसी भी संभावित अशुद्धता के बारे में चिंतित नहीं) और महान चिकित्सक ने उससे कहा: तलिथा कौम! जिसका अर्थ है: हे मेरे बच्चे, मैं तुझ से कहता हूं, उठ (मत्ती ९:२५; मरकुस ५:४०बी-४१; लूका ८:५४)! एक बार फिर, यीशु ने अपनी शक्ति का प्रयोग इस प्रकार किया कि वह अपने दिव्य स्वभाव की पुष्टि कर सके।वह लाल बछिया है, जिसमें कोई दोष या दोष नहीं है, जो हमें शुद्धिकरण के जल के माध्यम से मृत्यु से बचाता है (गिनती Df.
– लाल बछिया पर टिप्पणी देखें)।

तुरन्त उसकी आत्मा लौट आई, और वह खड़ी हो गई और चलने-फिरने लगी (वह बारह वर्ष की थी)। जब आप आज किसी को मृतकों को जीवित करने के बारे में सुनते हैं, तो ऐसा क्यों लगता है कि वह हमेशा किसी सुदूर देश में है? आपके निकट मुर्दाघर में क्यों नहीं? यदि स्थानीय चर्च को ठीक से काम करने के लिए सभी आध्यात्मिक उपहारों से सुसज्जित किया जाना है, और यदि उपचार का उपहार आज भी एक व्यवहार्य उपहार है तो लोग आपके चर्च में मृतकों को क्यों नहीं उठा रहे हैं? क्या परमेश्वर की मंडलियों को कार्य करने के लिए सभी उपहारों की आवश्यकता नहीं है? बेशक वे कर रहे हैं! क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि कोई यह कहे कि उन्हें ठीक से काम करने के लिए सभी उपहारों की आवश्यकता नहीं है? क्या आप किसी को यह कहते हुए देख सकते हैं कि उनके मसीहाई आराधनालय को शिक्षण या नेतृत्व के उपहार की आवश्यकता नहीं है? मृतकों को जीवित करना उन लोगों के लिए लिटमस टेस्ट है जो आज उपचार के उपहार का दावा करते हैं। पीठ के निचले हिस्से के दर्द को ठीक करना एक बात है, मृतकों को जीवित करना बिलकुल दूसरी बात है।

तब महान चिकित्सक ने उनसे कहा कि वे उसे कुछ खाने को दें। उसके माता-पिता पूरी तरह से आश्चर्यचकित थे, लेकिन यीशु ने उन्हें सख्त आदेश दिया कि वे इसके बारे में किसी को भी न बताएं (मरकुस ५:४२-४३; ल्यूक ८:५५-५६)। सैन्हेड्रिन द्वारा उनकी आधिकारिक अस्वीकृति से पहले यह कभी भी सच नहीं था (देखें En– मसीह के मंत्रालय में चार कठोर परिवर्तन)। फिर भी, मसीह के उपचार मंत्रालय के प्रति अपने उत्साह को

Fh – यीशु ने एक मृत लड़की को उठाया और एक बीमार महिला को ठीक
किया मत्ती ९:१८-२६; मरकुस ५:२१-४३; लूका ८:४०-५६ | 9

नियंत्रित करने में असमर्थ, इसकी खबर गलील के पूरे क्षेत्र में फैल गई (मत्ती ९:२६)। यीशु ने विधवा के बेटे (लूका ७:११-१७), और लाजर (यूहन्ना ११:१-४४) को भी जीवित किया। वह एकमात्र ऐसा व्यक्ति है जो जीवन का निर्माण कर सकता है।

हे प्रभु, मैं देख रहा हूं कि याईर और इस स्त्री में एक अनमोल बात समान थी – वे दोनों भरोसे के साथ आपके पास आए थे। मुझे एहसास है कि यह विश्वास के बुनियादी पाठों में से एक है। यदि मैं आप पर विश्वास करना चाहता हूं, तो मुझे आपके पास आना होगा। मुझे अपनी समस्याएं, अपनी ज़रूरतें और अपना जीवन आपके पास लाना होगा। मुझे एहसास है कि मैं कभी-कभी उस महिला की तरह अयोग्य महसूस कर सकता हूं, लेकिन फिर भी मुझे आने में मदद करें।